चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....The Times of India....
दिनांक ..7.9.2019.. पृष्ठ सं. ....5.... कॉलम ....1....

HAU ties up with Finnish firm

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAS), Hisar, has signed a memorandum of understanding (MoU) with Fortum India, a Finnish clean-energy company, to implement innovative technologies for conversion of crop residue into eco-friendly, technically efficient and economically viable bio-waste value added products.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला....
दिनांक ..7.9.2019.. पृष्ठ सं. ...4... कॉलम ...3-8...

अच्छी खबर

प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल और एचएयू की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

फिनलैंड की कंपनी और एचएयू में पराली से फाइबर बनाने के लिए हुआ अनुबंध

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। धान की पराली से फाइबर बनाने को लेकर शुक्रवार को हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (एचएयू) और फिनलैंड की कंपनी फोर्टम इंडिया के बीच अनुबंध किया गया। फोर्टम इंडिया की तरफ से कंपनी के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल और एचएयू की तरफ से अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

एचएयू और फिनलैंड की कंपनी के बीच एमओयू के दौरान उपस्थित अधिकारी।

इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह ने बताया कि फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड धान की पराली से फाइबर व अन्य उपयोगी केमिकल्स बनाने पर काम कर रही है। एचएयू में इस प्रोजेक्ट में उनकी मदद करेगा। हम फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकियों को लागू करके फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल, तकनीकी रूप से कुशल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य रूपांतरण करने में सक्षम होंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने एशिया का अपनी तरह का पहला एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है।

उन्होंने बताया कि फोर्टम की साझेदारी में चावल के भूसे और अन्य कृषि बायोमास, इनकी उपलब्धता, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव, संभावित आपूर्ति शृंखला और समर्थन के अन्य संभावित क्षेत्रों का अध्ययन करने में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान तथा विशेषज्ञता की गहरी समझ शामिल होगी। फोर्टम इंडिया के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल ने कहा कि एचएयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ कार्य करके वह कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने और प्रदूषण को कम करने के समाधान में अधिक अनुसंधान और विकास करने में सक्षम होंगे। इससे स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनने और उनके जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी फैजुर रहमान, यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ एमएस सिद्धपुरिया आदि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर........

दिनांक ..7.9.2019.. पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....2-7....

पर्यावरण बचाने की कवायद • एशिया का पहला एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापित, प्रदूषण कम करने में होगा सहायक

फिनिश कंपनी फोर्टम और एचएयू मिलकर धान की पराली से बनाएंगे फाइबर

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने फोर्टम इंडिया के साथ अनुबंध किया है। इसके तहत दोनों मिलकर धान की पराली से फाइबर बनाएंगे। यह अनुबंध कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में हुआ। फोर्टम इंडिया की तरफ से प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल और एचएयू से रिसर्च डायरेक्टर डॉ. एसके सहरावत ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि हम किसान के उत्थान के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। इसी कड़ी के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, धान की पराली से फाइबर व अन्य उपयोगी केमिकल्स बनाने पर काम कर रही फिनलैंड की कंपनी फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को सहयोग करेगा। हम फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकियों को लागू कर फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल, तकनीकी रूप से कुशल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य रूपांतरण करने में सक्षम होंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने एशिया का अपनी तरह का पहला एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है। आशा है कि हम एक साथ मिलकर समग्र समाधान पा सकते हैं जोकि प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ किसानों के उत्थान में भी सहायक होगा। फोर्टम की साझेदारी में चावल के भूसे और अन्य कृषि-बायोमास, इनकी उपलब्धता, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव, संभावित आपूर्ति शृंखला और समर्थन के अन्य संभावित क्षेत्रों का अध्ययन करने में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान तथा विशेषज्ञता की गहरी समझ शामिल होगी।

इस अवसर पर फैजुर रहमान, हेड बायो2 एक्स, फोर्टम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड और विश्वविद्यालय के डॉ. बीआर कम्बोज, कुलसचिव, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, निदेशक मानव संसाधन प्रबंधन, डॉ. राजवीर सिंह, अधिष्ठाता मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डॉ. मंजू सिंह टोंक, प्रभारी आईपीआर, डॉ. सीमा रानी, नोडल अधिकारी, एबीक आदि उपस्थित थे।

कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने में मिलेगी मदद

फिनिश कंपनी फोर्टम के साथ एचएयू के पदाधिकारी अनुबंध पत्र दिखाते हुए साथ में कुलपति प्रो केपी सिंह।

फोर्टम इंडिया के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल का मानना है कि एचएयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ कार्य कर वे कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने और प्रदूषण को कम करने के समाधान में अधिक अनुसंधान और विकास करने में सक्षम होंगे। इससे स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनने और उनके जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। हमारे बायो 2 एक्स कार्यक्रम के तहत, फोर्टम कृषि अवशेषों, लकड़ी के बायोमास, जीवाश्म तथा अन्य पर्यावरणीय रूप से हानिकारक कच्चे माल को उच्च मूल्य वाले उत्पादों में बदलने के लिए प्राकृतिक संसाधन दक्षता की दिशा में तेजी लाने के उद्देश्य से बायो रिफाइनरियों की स्थापना करना चाहता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... हरि भूमि ....

दिनांक 7.9.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 2-6

हकृवि व फिनिश कंपनी फोर्टम के बीच हुआ अनुबंध

अब धान की पराली से बनाए जाएंगे फाइबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

धान की पराली के जलाने से होने वाले प्रदूषण से बचाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने फिनिश कंपनी फोर्टम से करार किया है। इसके तहत धान की पराली से फाइबर तैयार किया जाएगा। हकृवि फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकियों को लागू करके फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल, तकनीकी रूप से कुशल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य रूपांतरण करने में सक्षम होंगे। यह करार विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में किया गया। फोर्टम इंडिया के तरफ से प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल तथा विवि की ओर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने हस्ताक्षकर किए।

- समुदायों को आत्मनिर्भर बनने और उनके जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी

एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट सेंटर स्थापति किया : कुलपति

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि हम किसान समुदाय के उत्थान के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। इसी कड़ी के तहत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, फिनलैंड की कंपनी फोर्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जो धान की पराली से फाइबर व अन्य उपयोगी कैमिकल्स बनाने पर काम कर रही है, को सहयोग करेगा। हम फोर्टम कंपनी के साथ नवीन प्रौद्योगिकियों को लागू करके फसल के अवशेषों का पर्यावरण के अनुकूल करने में सक्षम होंगे। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमने एशिया का अपनी तरह का पहला एग्री-वेस्ट मैनेजमेंट सैंटर स्थापित किया है। हमे आशा है कि हम एक साथ मिलकर समग्र समाधान पा सकते हैं जो कि प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ किसानों के उत्थान में भी सहायक होगा। फोर्टम की साझेदारी में चावल के भूसे और अन्य कृषि-बायोमास, इनकी उपलब्धता, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव, संभावित आपूर्ति श्रृंखला और समर्थन के अन्य संभावित क्षेत्रों का अध्ययन करने में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान तथा विशेषज्ञता की गहरी समझ शामिल होगी।

अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने में सक्षम होंगे : एमडी

फोर्टम इंडिया के प्रबंध निदेशक संजय अग्रवाल का मानना है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ कार्य करके वे कृषि अपशिष्टों को मूल्यवान उत्पादों में बदलने और प्रदूषण को कम करने के समाधान में अधिक अनुसंधान और विकास करने में सक्षम होंगे। इससे स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनने और उनके जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। हमारे बायो-2 एक्स कार्यक्रम के तहत, फोर्टम कृषि अवशेषों, लकड़ी के बायोमास, जीवाश्म तथा अन्य पर्यावरणीय रूप से हानिकारक कच्चे माल को उच्च मूल्य वाले उत्पादों में बदलने के लिए प्राकृतिक संसाधन दक्षता की दिशा में तेजी लाने के उद्देश्य से बायो रिफाइनरियों की स्थापना करना चाहता है। इस अवसर पर फोर्टम इंडिया के बायो-2 एक्स के प्रमुख फैजुर रहमान और विवि कुलसचिव डॉ बीआर कंबोज, मानव संसाधन प्रबंधन के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह, आईपीआर प्रभारी डॉ. मंजू सिंह टोंक, एबीक नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण........
दिनांक ...7.9.2019... पृष्ठ सं. ...19... कॉलम ...2-5...

हकृवि के पुस्तकालय में नहीं हो सकेगी पुस्तकों की चोरी, आरएफआइडी का किया उद्घाटन

छात्रों और शिक्षकों को स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने व वापस करने की मिलेगी सुविधा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में अब कोई बिना इश्यू करवाए पुस्तकें नहीं ले जा सकेगा। विवि के पुस्तकालय में शुक्रवार को रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आरएफआइडी सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों और सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापस करने की सुविधा होगी। वहीं दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इशू की। आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी।

मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से पुस्तक इशू करवाते हुए। • जागरण

इस तरह से रोकेगी चोरी

यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियों तरंगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है। जिसमें रेडियों इलेक्ट्रानिक मैग्नेटिक चिप लगी है। इस तकनीक में आरएफआइडी टैग, टैग रीडर, ऐंटना लगा सुरक्षा गेट, इन्फोरमेशन कियोस्क, स्मार्ट आइडी कार्ड और सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हें टैग रीडर के द्वारा एक्टीवेट व डीएक्टीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डी-एक्टीवेट हो जाते है तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नही पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटेना उसे पहचान लेते है।

प्रो. केपी सिंह आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स से पुस्तक वापस करते हुए।

प्रो. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। प्रो. केपी सिंह ने डा. बिमलेंद्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया। डा. बिमलेंद्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

पुस्तकों के लिए लाइन में लगने की नहीं होगी जरूरत : प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि अब पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने और वापस करने के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस टेक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगवाए गए हैं व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक 7.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-7

वीसी ने किया शुभारंभ : रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी से लैस हुआ एचएयू का नेहरू पुस्तकालय

चिप सिस्टम से रुकेगी किताबों की चोरी, स्टूडेंट्स खुद इश्यू कर सकेंगे बुक्स

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। प्रो. सिंह ने आरएफआइडी सिस्टम लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापस करने की सुविधा होगी, वहीं पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआईडी इन्फॉरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इशू की व आरएफआईडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी।

शिक्षकों ने किया पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन

कार्यक्रम के दौरान प्रो. केपी सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस पर लगाई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह ने डॉ. बिमलेंद्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया। डॉ. बिमलेंद्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक प्रतिभागी परीक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य पाठकों के लिए बहुत उपयोगी है।

शुक्रवार को एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी में रेडियो फ्रिक्वेंसी पर आधारित तकनीक का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. केपी सिंह।

इस तकनीक पर आधारित है यह सिस्टम

यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियो तरंगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियो इलेक्ट्रॉनिक मैग्नेटिक चिप लगी होती है। इस तकनीक में आरएफआइडी टैग, टैग रीडर, सिक्योरिटी गेट, इन्फोर्मेशन कियोस्क, स्मार्ट आईडी कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हें टैग रीडर के द्वारा एक्टिवेट व डीएक्टीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग कर पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डिएक्टिवेट हो जाते हैं तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टिवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटीना उसे पहचान लेते हैं तथा गेट ध्वनि करने लगता है। इसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना जारी करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता। यह तकनीक पुस्तकों की चोरी को तो रोकती ही है इसके साथ पाठकों द्वारा पुस्तकालय में गलत जगह पर रखी पुस्तकें या छुपाई गई पुस्तकों को हैंड हेल्ड रीडर की सहायता से खोजने में मदद करती है। इस रीडर के माध्यम से लाखों पुस्तकों के संग्रह का भौतिक सत्यापन तीव्र गति से एवं सही ढंग से किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि. भूमि........

दिनांक ....7. 9. 2019.... पृष्ठ सं. ....13.... कॉलम ....2-6....

हकृवि में रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी का शुभारंभ

विद्यार्थियों व शिक्षकों को पुस्तकें लेने व देने में नहीं होगी परेशानी: कुलपति

- कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इशु की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आरएफआइडी सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापस करने की सुविधा होगी वहीं दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इशु की व आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी।

हिसार। आरएफआइडी टैक्नोलॉजी का उद्घाटन करते प्रो. केपी सिंह।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह ने डॉ. बिमलेंद्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया। डॉ. बिमलेंद्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक प्रतिभागी परीक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य पाठकों के लिए बहुत उपयोगी है।

पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि अब किसी भी पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने व वापस करने हेतू लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस टैक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगवाए गए है व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व छात्रों के स्मार्ट आईडी कार्ड के साथ इस एपलिकेशन को जोड़ा गया है।

यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियो तरंगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियो इलैक्ट्रानिक मैग्नेटिक चिप लगी होती है। इस तकनीक में आरएफआइडी टैग, टैग रीडर, एंटिना लगा सुरक्षा गेट, इन्फोरमेशन कियोस्क, स्मार्ट आईडी कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हे टैग रीडर के द्वारा एक्टीवेट व डीएक्टीवेट किया जाता है।

जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डिएक्टीवेट हो जाते है तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटीना उसे पहचान लेते है तथा गेट ध्वनि करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना इशु करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, ओएसडी व सभी अधिष्ठाता, निदेशक व अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...पंजाब केसरी...

दिनांक 7.9.2019 पृष्ठ सं. ...4... कॉलम ...1-4...

अब नहीं होंगी पुस्तकें चोरी, आर.एफ.आई.डी. सिस्टम लागू

हिसार, 6 सितम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वैंसी आईडैंटिफिकेशन टैक्नोलॉजी का शुभारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आर.एफ.आई.डी. सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापस करने की सुविधा होगी वहीं, दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

मुख्यातिथि प्रो. के.पी. सिंह आर.एफ.आई.डी. इंफॉर्मेशन कियोस्क से पुस्तक इशु करवाते हुए।

क्या है आर.एफ.आई.डी. तकनीक

यह आर.एफ.आई.डी. तकनीकी रेडियो तरंगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियो इलैक्ट्रॉनिक मैग्नेटिक चिप लगी होती है। इस तकनीक में आर.एफ.आई.डी. टैग, टैग रीडर, एंटिना लगा सुरक्षा गेट, इंफॉर्मेशन कियोस्क, स्मार्ट आई.डी. कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हें टैग रीडर के द्वारा एक्टीवेट व डीएक्टीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डिएक्टीवेट हो जाते हैं तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटीना उसे पहचान लेते हैं तथा गेट ध्वनि करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना इशु करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता। यह तकनीक पाठकों द्वारा पुस्तकालय में गलत जगह पर रखी पुस्तकें या छिपाई गई पुस्तकों को हैंड हैल्ड रीडर की सहायता से खोजने में मदद करती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........
दिनांक ....6.9.2019.... पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....1-6....

हकृवि के नेहरू पुस्तकालय में आरएफआइडी आरंभ

हिसार/06 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों की जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापिस करने की सुविधा होगी वहीं दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमैशन किंयोस्क से एक पुस्तक इशु की व आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापिस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह ने डॉ. बिमलेंद्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया।

डॉ. बिमलेंद्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक प्रतिभागी परीक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य पाठकों के लिए बहुत उपयोगी है। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि अब किसी भी पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने व वापिस करने हेतू लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस टैकनोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगवाए गए हैं व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व छात्रों के स्मार्ट आईडी कार्ड के साथ इस एपलिकेशन को जोड़ा गया है। यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियो तरंगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियों इलेक्ट्रानिक मैगनेटिक चिप लगी होती है। इस तकनीक में आरएफआइडी टैग, टैग रीडर, एंटिना लगा सुरक्षा गेट, इन्फोरमेशन कियोस्क, स्मार्ट आईडी कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हे टैग रीडर के द्वारा एक्टीवेट व डीएक्टीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डिएक्टीवेट हो जाते है तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटीना उसे पहचान लेते है तथा गेट ध्वनि करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना इशू करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता।

यह तकनीक पुस्तको की चोरी को तो रोकती ही है इसके साथ पाठकों द्वारा पुस्तकालय में गलत जगह पर रखी पुस्तकें या छुपाई गई पुस्तकों को हैंड हेल्ड रीडर की सहायता से खोजने में मदद करती है। इस रीडर के माध्यम से लाखों पुस्तकों के संग्रह का भौतिक सत्यापन तीव्र गति से एवं सही ढंग से किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, ओएसडी व सभी अधिष्ठाता, निदेशक व अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स........
दिनांक 6.9.2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ...3-6...

एचएयू में आरएफआइडी का शुभारंभ

पुस्तकें लेने व देने के लिए अब नहीं लगना पड़ेगा लाइनों में

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टैक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आरएफआइडी सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापिस करने की सुविधा होगी वहीं दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इशु की व आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापिस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह ने डॉ. बिमलेंद कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया।

हिसार। मुख्य अतिथि प्रो. के.पी. सिंह पुस्तक का विमोचन करते हुए।

तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगाए

पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि अब किसी भी पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने व वापिस करने के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस टैक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगवाए गए है व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व छात्रों के स्मार्ट आईडी कार्ड के साथ इस एप्लिकेशन को जोड़ा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नित्य शक्ति टाइम्स........

दिनांक 6.9.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....3-8....

नई तकनीक शुरू होने से विद्यार्थियों व शिक्षकों को होगा फायदा : केपी

हिसार, 6 सितम्बर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टैक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ हुआ जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किया।

प्रो. सिंह ने आरएफआइडी

कुलपति ने किया नेहरू पुस्तकालय में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टैक्नोलॉजी (आरएफआइडी) का शुभारंभ

सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने पर कहा कि पुस्तकालय में इस तकनीकी के शुरू होने से छात्रों, शिक्षकों व सभी कर्मचारियों को जहां एक ओर स्वयं पुस्तकें प्राप्त करने एवं वापिस करने की सुविधा होगी वहीं दूसरी तरफ पुस्तकों की चोरी होने की आशंका समाप्त होगी। इस दौरान कुलपति ने स्वयं के खाते में आरएफआइडी इन्फोरमेशन कियोस्क से एक पुस्तक इशू की व आरएफआइडी बुक ड्रॉप बॉक्स के माध्यम से उसी पुस्तक को वापिस किया। उन्होंने इस सिस्टम के लागू करने पर पुस्तकालयाध्यक्ष को बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. सिंह ने पुस्तकालय द्वारा अध्यापक दिवस के अवसर पर लगाई गई पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस पुस्तक प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह ने डॉ. विमलेंद्र कुमारी द्वारा लिखित नवीन पुस्तक फोरेस्ट्री रिफ्रेशर का विमोचन भी किया। डॉ विमलेंद्र कुमारी वानिकी विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

उन्होंने बताया कि यह पुस्तक प्रतिभागी परीक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, अध्यापकों व अन्य पाठकों के लिए बहुत उपयोगी है।

इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि अब किसी भी पुस्तकालय के सदस्य को पुस्तक प्राप्त करने व वापिस करने के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इस टैक्नोलॉजी को पूरी तरह से लागू करने के लिए लगभग तीन लाख किताबों पर आरएफआइडी टैग लगवाए गए हैं व विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों व छात्रों के स्मार्ट आईडी कार्ड के साथ इस एपलिकेशन को जोड़ा गया है। यह आरएफआइडी तकनीकी रेडियो तरंगों पर आधारित है जो उन वस्तुओं को आसानी से पहचान लेती है जिसमें रेडियो इलैक्ट्रानिक मैग्नेटिक चिप लगी होती है।

ऐसे करेगी तकनीक काम : इस तकनीक में आरएफआइडी टैग, टैग रीडर, एंटिना लगा सुरक्षा गेट, इन्फोरमेशन कियोस्क, स्मार्ट आईडी कार्ड तथा सर्वर का उपयोग होता है। टैग को प्रत्येक पुस्तक में चिपकाया जाता है व इन्हे टैग रीडर के द्वारा एक्टीवेट व डीएक्टीवेट किया जाता है। जब पाठक अपने स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके पुस्तक स्वयं प्राप्त करता है तो टैग डिएक्टीवेट हो जाते है तथा सुरक्षा गेट इसे पहचान नहीं पाता। परंतु यदि कोई पाठक पुस्तक का बिना डिएक्टीवेट किए हुए सुरक्षा गेट के समीप से भी निकले तो गेट में लगे एंटीना उसे पहचान लेते है तथा गेट ध्वनि करने लगता है, जिसके कारण कोई भी पाठक पुस्तक को बिना इशू करवाए पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जा पाता। यह तकनीक पुस्तको की चोरी को तो रोकती ही है इसके साथ पाठकों द्वारा पुस्तकालय में गलत जगह पर रखी पुस्तकें या छुपाई गई पुस्तकों को हैंड हेल्ड रीडर की सहायता से खोजने में मदद करती है। इस रीडर के माध्यम से लाखों पुस्तकों के संग्रह का भौतिक सत्यापन तीव्र गति से एवं सही ढंग से किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, ओएसडी व सभी अधिष्ठाता, निदेशक व अधिकारी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक ...7.9.2019... पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ...1-4...

एचएयू में जापान से आए स्टूडेंट्स ने कृषि के क्षेत्र में बढ़ते कदमों को जाना, विवि का किया दौरा

कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया

भास्कर न्यूज | हिसार

अनुसंधान और शिक्षण के बारे में जानने व रोजगार के नए अवसर तलाशने के लिए जापान के टोक्यो कृषि विश्वविद्यालय के दो कृषि वैज्ञानिक एवं तीन विद्यार्थियों की टीम ने एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सके। यह दल नोंडिया समर प्रोग्राम के दस दिवसीय कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के दौरे पर आया है। इस दल ने विश्वविद्यालय की विभिन्न कॉलेज, नैनोबायोटेक्नोलॉजी व मॉलेकुलर बायोटेक्नोलॉजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया, नर्सरी, एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, दीनदयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर आर्गेनिक फार्म, एचएयू मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया व विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली। इस दल ने हिसार के आस-पास के गांवों में भ्रमण करके प्रगतिशील किसानों से मिले तथा बागवानी, सूक्ष्म व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी पालन, मशरूम, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। मुलाकात के दौरान डॉ. दलविन्द्र तथा डॉ. लोमेश भी उपस्थित रहे।

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह जापानी दल के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला........
दिनांक 7.9.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7-8

जापान के दो कृषि वैज्ञानिक एवं तीन विद्यार्थियों ने किया एचएयू का दौरा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अनुसंधान व शिक्षण के बारे में जानने व रोजगार के नए अवसर तलाशने के लिए टोक्यो कृषि विश्वविद्यालय जापान के दो कृषि वैज्ञानिक एवं तीन विद्यार्थियों की टीम ने कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकें। यह दल नोंडिया समर प्रोग्राम 2019 के दस दिवसीय कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के दौरे पर आया है। इस दल ने विश्वविद्यालय की विभिन्न कालेज, नैनोबॉयोटेक्नोलोजी व मॉलिकुलर बॉयोटेक्नोलोजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया, नर्सरी, एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, दीनदयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर आर्गेनिक फार्म, एचएयू मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया व विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली। इस दल ने हिसार के आसपास के गांवों में भ्रमण करके प्रगतिशील किसानों से मिले तथा बागवानी, सूक्ष्म व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी पालन, मशरूम, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। इस मुलाकात के दौरान डॉ. दलविंद्र और डॉ. लोमेश भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी........

दिनांक ...7.9.2019... पृष्ठ सं. ...3... कॉलम ...5-6...

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह जापानी दल के साथ।

हकृवि के अनुसंधानों को जानने जापान से आया वैज्ञानिक दल

हिसार, 6 सितम्बर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अनुसंधान व शिक्षण के बारे में जानने व रोजगार के नए अवसर तलाशने हेतु टोक्यो कृषि विश्वविद्यालय, जापान के 2 कृषि वैज्ञानिक एवं 3 विद्यार्थियों की टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सके।

यह दल नोडिया समर प्रोग्राम 2019 के 10 दिवसीय कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के दौरे पर आया है। इस दल ने विश्वविद्यालय की विभिन्न कालेज, नैनोबायो टैक्नोलॉजी व मॉलेकुलर बायोटैक्नोलॉजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया, नर्सरी, एग्रीबिजनैस इनक्यूबेशन सैंटर, दीनदयाल उपाध्याय सैंटर ऑफ एक्सीलैंस फॉर आर्गेनिक फार्म, एच.ए.यू. मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया व विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली। इस दल ने हिसार के आस-पास के गांवों में भ्रमण करके प्रगतिशील किसानों से मिले तथा बागवानी, सूक्ष्म व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी पालन, मशरूम, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। इस मुलाकात के दौरान डा. दलविंद्र तथा डा. लोमेश भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... नभ छोर ....
दिनांक 6.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

जापानी दल ने किया हकृवि का दौरा

हिसार/06 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अनुसंधान व शिक्षण के बारे में जानने व रोजगार के नए अवसर तलाशने हेतु टोक्यो कृषि विश्वविद्यालय, जापान के दो कृषि वैज्ञानिक एवं तीन विद्यार्थियों की टीम ने के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति ने जापान के वैज्ञानिकों से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान पर जोर दिया ताकि औद्योगिक विकास के साथ-साथ ग्रामीण कृषकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सके। यह दल नोडिया समर प्रोग्राम् 2019 के दस दिवसीय कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के दौरे पर आया है। इस दल ने विभिन्न कॉलेज, नैनो बायोटेक्नोलॉजी व मॉलेकुलर बायोटेक्नोलॉजी जैसी विभिन्न प्रयोगशालाओं, फार्म एरिया, नर्सरी, एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, दीनदयाल उपाध्याय सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर आर्गेनिक फार्म, एचएयू मार्ट व अन्य स्थानों पर भ्रमण किया। यह दल हिसार के आस-पास के गांवों में भ्रमण करके प्रगतिशील किसानों से मिला तथा बागवानी, सूक्ष्म व फव्वारा सिंचाई, मधुमक्खी पालन, मशरूम, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट के बारे में जानकारी ली। इस मुलाकात के दौरान डॉ. दलविन्द्र तथा डॉ. लोमेश भी उपस्थित थे।